जनगणना एक केंद्र सूची का विषय है, जो हर दस साल में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित की जाती है।

2011 की जनगणना राज्य के गठन के बाद दूसरी जनगणना थी।

भारत में जनगणना 1872 में लॉर्ड मेयो के काल के दौरान शुरू हुई थी और पहली नियमित जनगणना 1881 से लॉर्ड रिपन द्वारा शुरू की गई थी।

11 जुलाई 1987 से हर साल 11 जुलाई को "विश्व जनसंख्या दिवस" के रूप में मनाया जाता है क्योंकि 11 जुलाई 1987 को वैश्विक जनसंख्या 5 अरब को पार कर गई थी।

2011 की जनगणना के अनुसार छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक इकाइयाँ	
क्षेत्रफल	**1,35,192 वर्ग किमी.**
संभागों की संख्या	4
जिलों की संख्या	18
तहसीलों की संख्या	149
विकासखंडों की संख्या	146
जनगणना नगरों की संख्या	43
ग्रामों की संख्या	20,126

छत्तीसगढ़ में 2001 और 2011 की जनगणना का तुलनात्मक अध्ययन–

	2001	2011	भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में छत्तीसगढ़ का स्थान
जिलों की संख्या	16 वर्ग किमी.	18	
क्षेत्रफल	135191	135192 वर्ग किमी.	
जनसंख्या	20833803	25545198	17वां
पुरुष जनसंख्या	104L	128L	
महिला जनसंख्या	103L	127L	
जनसंख्या घनत्व	154	189	25वां
जनसंख्या वृद्धि दर	18.06%	22.61%	9वां
लिगानुपात	989	991	5वां
साक्षरता	64.66%	70.28%	27वां
पुरुष साक्षरता	77.8%	80.27%	
महिला साक्षरता	51.85%	60.24%	
(0–6) वर्ष के बच्चों का लिगानुपात	975	969	

COMPETITION COMMUNITY

स्थान	जनसंख्या (25545198)	जनसंख्या वृद्धि दर (22.61%)	जनसंख्या घनत्व (189)	लिगानुपात (991)	साक्षरता (70.28%)
01	रायपुर	बलौदाबाजार (49.87%)	जांजगीर चांपा (420)	कोंडागांव(1033)	दुर्ग (82.56%)
02	बिलासपुर	बेमेतरा(42.65%)	दुर्ग (392)	दंतेवाड़ा (1023)	रायपुर (80.52%)
03	दुर्ग	कबीरधाम(40.71%)	रायपुर (328)	बालोद (1022)	बालोद (80.28%)
25	बीजापुर	बालोद (10.24%)	दंतेवाड़ा (64)	कोरिया (968)	नारायणपुर(48.62%)
26	सुकमा	बीजापुर (8.78%)	बीजापुर (30)	दुर्ग (966)	बीजापुर (40.86%)
27	नारायणपुर	सुकमा (8.16%)	नारायणपुर (30)	रायपुर (963)	सुकमा (34.81%)

स्थान	नगरिय जनसंख्या: 59.37 लाख (23.24%)	
	% के अनुसार	संख्या के अनुसार
01	दुर्ग (64.15%)	रायपुर
02	रायपुर (59.08%)	दुर्ग
03	कोरबा (36.99%)	बिलासपुर
25	जशपुर (8.92%)	बीजापुर
26	गरियाबंद (6.77%)	सुकमा
27	बलरामपुर (4.75%)	नारायणपुर

स्थान	लिगानुपात (0–6 yrs) (969)
01	दंतेवाड़ा (1012)
02	कोंडागांव (1006)
03	सुकमा (997)
25	जांजगीर चांपा (950)
26	दुर्ग (948)
27	रायगढ़ (947)

अनुसूचित जनजाति				
स्थान	जनसंख्या (78.22लाख)	% जनसंख्या (30.62%)	लिगानुपात (1020)	साक्षरता

COMPETITION COMMUNITY

01	जशपुर	सुकमा (83.47%)	दंतेवाड़ा (1067)	बालोद (77.73%)
02	बस्तर	बीजापुर (80%)	बालोद (1049)	दुर्ग (77.24%)
03	रायगढ़	नारायणपुर (77.36%)	राजनांदगांव (1046)	रायपुर (74.19%)
25	रायपुर	दुर्ग (5.88%)	बलरामपुर (988)	दंतेवाड़ा (37.41%)
26	मुंगेली	बेमेतरा (4.67%)	दुर्ग (976)	बीजापुर (34.52%)
27	बेमेतरा	रायपुर (4.3%)	रायपुर (974)	सुकमा (28.55%)

अनुसूचित जाति				
स्थान	**जनसंख्या (32.74L)**	**% जनसंख्या (12.82%)**	**लिगानुपात (994)**	**साक्षरता**
01	जांजगीर चांपा	मुंगेली (27.76%)	राजनांदगांव (1035)	बालोद (79.61%)
02	रायपुर	जांजगीर चांपा (24.57%)	बालोद (1034)	दुर्ग (78.64%)
03	बिलासपुर	बलौदाबाजार (23.37%)	धमतरी (1028)	राजनांदगांव (77.28%)
25	बीजापुर	नारायणपुर (3.56%)	बिलासपुर (964)	सूरजपुर (58.32%)
26	नारायणपुर	बस्तर (1.77%)	दंतेवाड़ा (961)	बलरामपुर (56.82%)
27	सुकमा	सुकमा (1.11%)	सुकमा (932)	सरगुजा (56.07%)

SRS Bulletin (2018)

छत्तीसगढ़ में जन्म दर – 22.5%

ग्रामीण क्षेत्रों में जन्म दर – 24%

शहरी क्षेत्रों में जन्म दर – 17.8%

छत्तीसगढ़ में मृत्यु दर – 8%

ग्रामीण क्षेत्रों में मृत्यु दर – 8.6%

शहरी क्षेत्रों में मृत्यु दर – 6.3%

छत्तीसगढ़ में शिशु मृत्यु दर – 41/1000

ग्रामीण क्षेत्रों में शिशु मृत्यु दर – 42

शहरी क्षेत्रों में शिशु मृत्यु दर – 35

छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु अनुपात – 159/100000

रैंक	कार्य सहभागिता दर (47.7%)

COMPETITION COMMUNITY

01	जशपुर (57.22%)
02	सुकमा (56.64%)
03	कोंडागांव (56.37%)
25	कोरबा (43.19%)
26	रायपुर (39.80%)
27	दुर्ग (39.06%)

आकांक्षी जिला कार्यक्रम

शुरुआत – 2018 से

नीति आयोग द्वारा चलाया जा रहा है

उद्देश्य – खराब सामाजिक–आर्थिक संकेतकों से प्रभावित जिलों को त्वरित और प्रभावी रूप से सुधारना जिससे भारत में मानव विकास में समग्र सुधार हो सके।

भारत में शामिल जिले – 117

छत्तीसगढ़ में शामिल जिले – 10 (बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर, कोंडागांव, कांकेर, महासमुंद, राजनांदगांव, कोरबा)।

साहित्यकार

श्यामलाल चतुर्वेदी

रचनाएँ :

- पर्रा भर लाई (काव्य संग्रह)
- राम वनवास (खण्ड काव्य)
- भोलवा भोलाराम बनिस (काहानी)
- मया के मोटरी

नोट : पं. श्याललाल चतुर्वेदी को वर्ष 2018 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया। आपका सुप्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गीत 'बेटी के बिदा' आपके काव्य संग्रह 'पर्रा भर लाई' में संग्रहित है।

COMPETITION COMMUNITY